खांसी आती हो

इस आयत को 41 बार पढ़कर ज़मज़म के पानी में दम करें, और उसे मरीज़ को पिलाएं-

सलामुन, क़ौलम्मिर्रब्बिर्रहीम०

(सूरः यासीन, 58)

तर्जुमाः- "उनको मेहरबान रब की तरफ़ से सलाम फ़रमाया जाएगा।"